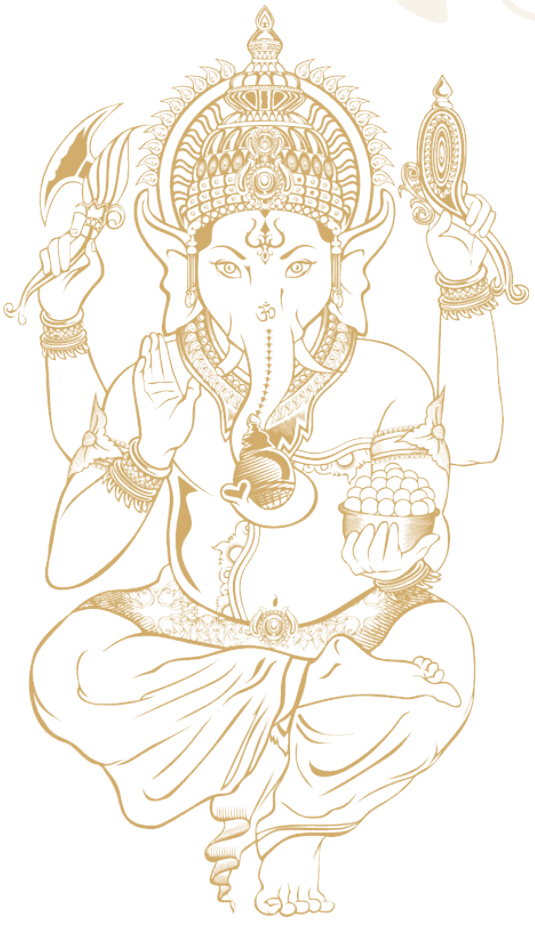

Vibhor jain

Palak Jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121335502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/09/1996	जन्म तिथि	8-09/01/1998
बुधवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 23:50:00	जन्म समय	01:18:00 घंटे
घटी 44:16:44	जन्म समय(घटी)	45:28:35 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Sagar
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	22:38:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	75:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:27:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:07:18	सूर्योदय	07:09:28
18:11:27	सूर्यास्त	17:58:36
23:48:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:42

विंशोत्तरी
गुरु 15वर्ष 2मा 0दि

शनि	
26/11/2011	
26/11/2030	
शनि	29/11/2014
बुध	08/08/2017
केतु	17/09/2018
शुक्र	17/11/2021
सूर्य	30/10/2022
चन्द्र	30/05/2024
मंगल	09/07/2025
राहु	15/05/2028
गुरु	26/11/2030

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
15:29:05	मिथु	लग्न	तुला	04:25:07
09:08:21	कन्या	सूर्य	धनु	24:30:18
20:41:38	कुंभ	चंद्र	वृष	06:13:47
16:01:50	कर्क	मंगल	मक	23:06:08
25:15:45	सिंह व	बुध	धनु	01:36:16
14:46:44	धनु	गुरु	कुंभ	00:05:08
26:36:13	कर्क	शुक्र व	मक	06:42:55
10:14:05	मीन व	शनि	मीन	20:12:15
14:11:05	कन्या व	राहु व	सिंह	18:15:50
14:11:05	मीन व	केतु व	कुंभ	18:15:50
06:54:51	मक व	हर्ष	मक	13:43:16
01:11:49	मक व	नेप	मक	05:24:14
07:06:31	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:11:37

विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 8मा 10दि

राहु	
20/09/2016	
20/09/2034	
राहु	03/06/2019
गुरु	26/10/2021
शनि	01/09/2024
बुध	22/03/2027
केतु	08/04/2028
शुक्र	09/04/2031
सूर्य	03/03/2032
चन्द्र	02/09/2033
मंगल	20/09/2034

लग्न-चलित

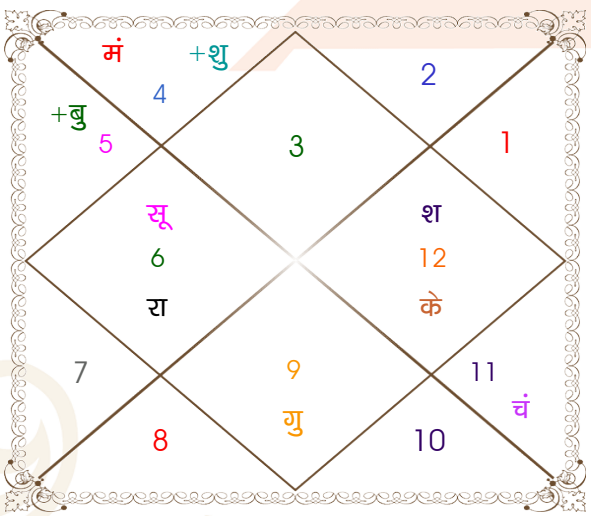

लग्न-चलित

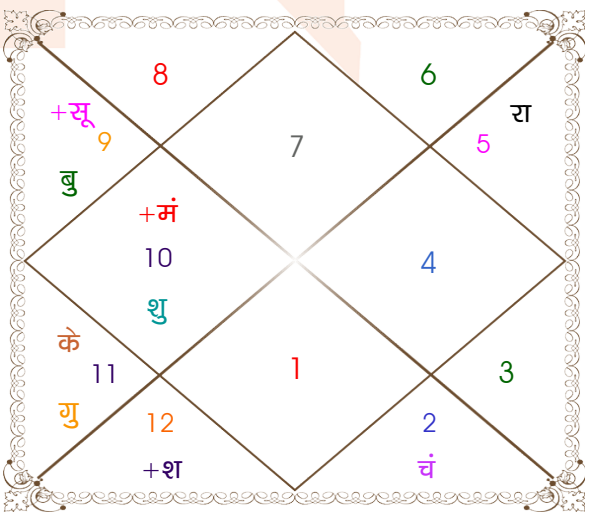

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

टपड़ीवत रंपद का वर्ग मेष है तथा Palak Jain का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपड़ीवत रंपद और Palak Jain का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

टपड़ीवत रंपद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Palak Jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Palak Jain कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु टपड़ीवत रंपद कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष

कट जाता है।

टपड़ीवत रंपद तथा Palak Jain में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।